



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, मंगलवार, 14 जुलाई, 1992/23 आषाढ़, 1914

हिमाचल प्रदेश सरकार

पशु पालन विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 16 जून, 1992

संख्या ए० एच०वाई०बी० (15)-20/76.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारतीय पशु चिकित्सा परिषद् अधिनियम, 1984 (1984 का 52) की धारा 65 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम.—इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश राज्य पशु चिकित्सा परिषद् (साधारण) नियम, 1992 है।

2. परिभाषाएं.—(1) इन नियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हों,—

(क) "अधिनियम" से भारतीय पशु चिकित्सा परिषद् अधिनियम, 1984 (1984 का 52) अभिप्रेत है ;

(ख) "परिशिष्ट" से इन नियमों से संलग्न परिशिष्ट अभिप्रेत है ;

(ग) "समिति" से परिषद् द्वारा नियुक्त समिति अभिप्रेत है ;

- (घ) "परिषद्" से अधिनियम की धारा 32 के अधीन स्थापित हिमाचल प्रदेश राज्य पशु चिकित्सा परिषद् अभिप्रेत है;
- (ङ) "प्ररूप" से इन नियमों से संलग्न प्ररूप अभिप्रेत हैं;
- (च) "सदस्य" से परिषद् का सदस्य अभिप्रेत है;
- (छ) "अध्यक्ष" से परिषद् का अध्यक्ष अभिप्रेत है;
- (ज) "रजिस्टर" से अधिनियम की धारा 44 के अधीन तैयार किया गया और रखा गया राज्य पशु चिकित्सा रजिस्टर अभिप्रेत है;
- (झ) "धारा" से इस अधिनियम की धारा अभिप्रेत है;
- (ञ) "राज्य सरकार" से हिमाचल सरकार अभिप्रेत है; और
- (ट) "उपाध्यक्ष" से परिषद् का उपाध्यक्ष अभिप्रेत है;
- (ठ) "रजिस्ट्रार" से अधिनियम की धारा 42 के अधीन समय-समय पर नियुक्त किए जाने वाला रजिस्ट्रार या कोई अन्य अधिकारी अभिप्रेत है;

(2) उन शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं किन्तु परिभाषित नहीं हैं, वे ही अर्थ होंगे जो अधिनियम में क्रमशः उनके हैं।

3. व्यवसायी का रजिस्ट्रीकरण.—(1) प्रत्येक व्यक्ति जो अधिनियम के अधीन यथा अपेक्षित मान्यता प्राप्त अर्हता रखता हो रजिस्ट्रार को प्ररूप "क" में आवेदन दे कर, रजिस्टर में अपना नाम दर्ज करवायेगा और ऐसे प्रत्येक आवेदन के साथ नियम 24 के अधीन विहित फीस लगाई जायेगी।

(2) रजिस्ट्रार आवेदन का परीक्षण करने के पश्चात् आवेदक से ऐसी अन्य जानकारी और दस्तावेज प्रस्तुत करने की अपेक्षा कर सकेगा, जिन्हें वह आवेदक के दावे को सिद्ध करने के लिये आवश्यक समझे।

(3) यदि रजिस्ट्रार का आवेदन से उप-नियम (1) के अधीन आवेदन की प्राप्ति या उप-नियम (2) के अधीन अन्य जानकारी या दस्तावेजों की प्राप्ति पर और ऐसी अतिरिक्त जांच करने के पश्चात् जैसा कि वह उचित समझे, समाधान हो जाता है, कि आवेदक रजिस्टर में नाम दर्ज करवाने का हकदार है, तो वह उसका नाम रजिस्टर में दर्ज करेगा और यदि उसका समाधान नहीं होता है तो वह आवेदन अस्वीकार कर देगा।

(4) रजिस्ट्रार द्वारा ऐसे व्यक्ति को, जिसका नाम धारा 44 की उप-धारा (3) के अधीन रजिस्टर में दर्ज किया गया है नियम 24 के अधीन विहित फीस के संदाय पर प्ररूप "ख" में प्रमाण-पत्र जारी किया जायेगा और जिस व्यक्ति के आवेदन को अस्वीकार किया गया हो उसे ऐसी विनिश्चय की सूचना आवेदन पर पारित आदेश की तारीख से 15 दिन की अवधि के भीतर दी जायेगी।

(5) अधिनियम की धारा 44 के अधीन पंजीकृत प्रत्येक व्यवसायी प्रत्येक पांच वर्ष के पश्चात् रजिस्ट्रार को नियम 24 के अधीन विहित फीस के आवेदन के साथ संलग्न करके अपने पंजीकरण के नवीकरण के लिये आवेदन करेगा। रजिस्ट्रार, मूल प्रमाण-पत्र पर नवीकरण को पृष्ठान्त करेगा।

4. नाम परिवर्तन की सूचना का रजिस्ट्रार को दिया जाना.—यदि पंजीकृत व्यवसायी अपना नाम परिवर्तन करता है, तो वह इसकी सूचना रजिस्ट्रार को तुरन्त देगा और रजिस्ट्रार का समाधान करेगा कि नाम परिवर्तन के तथ्य को पहले ही उस मुख्य समाचार पत्र में, जिसका क्षेत्र में जिसमें वह व्यवसाय करता है व्यापक प्रचलन है अधिसूचित कर दिया गया है। रजिस्ट्रार का इस तरह समाधान हो जाने पर और नियम 24 के अधीन विहित फीस प्राप्त करने पर रजिस्ट्रार तदनुसार रजिस्टर में परिवर्तित नाम दर्ज करेगा। रजिस्ट्रार द्वारा पंजीकरण प्रमाण-पत्र में भी आवश्यक परिवर्तन किया जायेगा।

5. रजिस्टर में अन्य अर्हताओं सम्बन्धि प्रविष्टियाँ.—(1) यदि कोई रजिस्ट्रीकृत व्यवसायी अपनी मान्यता प्राप्त पशु-चिकित्सा अर्हता क अतिरिक्त पशु चिकित्सा विज्ञान में कोई स्नातकोत्तर उपाधि (डिग्री) या डिप्लोमा

प्राप्त करता है और उसे रजिस्टर में दर्ज करवाना चाहता है तो वह प्रत्येक "ग" में नियम 24 में विहित फीस के साथ आवेदन करेगा। वह उन सुसंगत उपाधियों डिग्रियों डिप्लोमाओं की जिनके आधार पर रजिस्टर में प्रविष्टि करवानी है, यथास्थिति, किसी राजपत्रित अधिकारी से सम्पर्क रूप से अनुप्रमाणित प्रतियाँ भी संलग्न करेगा। रजिस्ट्रार, रजिस्ट्रीकृत व्यवसायी से उसके दावे के समाधान के लिये, यथास्थिति मूल उपाधि (डिग्री) या डिप्लोमा प्रस्तुत करने की अपेक्षा कर सकेगा।

(2) यदि रजिस्ट्रार का उप-नियम (1) के अधीन आवेदन प्राप्त करने और ऐसी जांच करने पर जो वह उचित समझ, समाधान हो जाता है कि रजिस्ट्रीकृत व्यवसायी की उपाधि (डिग्री) या डिप्लोमा, यथास्थिति, की प्रविष्टि रजिस्टर में की जा सकती है, तो वह ऐसी प्रविष्टि कर सकेगा और ऐसे व्यवसायी को प्रत्येक "घ" में प्रमाण-पत्र प्रदान करेगा। यदि रजिस्ट्रार का उक्त प्रकार से समाधान नहीं होता है तो वह आवेदन को अस्वीकार कर देगा :

परन्तु किसी आवेदन को अस्वीकार करने का आदेश, आवेदक को सुनवाई का अवसर प्रदान किये बिना पारित नहीं किया जायेगा।

6. द्विप्रतिक रजिस्ट्रीकरण प्रमाण जारी करना.—यदि रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र गुप्त, नष्ट या विकृत हो जाये तो रजिस्ट्रीकृत व्यवसायी उस अवधि के दौरान जिसमें कि प्रमाण-पत्र प्रवृत्त हो किसी भी समय रजिस्ट्रार को द्विप्रतिक प्रमाण-पत्र जारी करने के लिये आवेदन कर सकेगा और रजिस्ट्रार अपना समाधान करने और नियम 24 में विहित फीस की प्राप्ति पर द्विप्रतिक प्रमाण-पत्र जारी करेगा। प्रमाण-पत्र के ऊपरी भाग पर द्विप्रतिक प्रमाण-पत्र अन्तर्लिखित किया जायेगा।

7. अनुप्रमाणित प्रति के प्रदाय के लिए फीस.—(1) परिषद् या रजिस्ट्रार द्वारा पारित किये गये किसी आदेश, या रजिस्टर में की गई किसी प्रविष्टि की प्रति के प्रदाय के लिये प्रत्येक 100 शब्दों के लिये 75 पैसे की दर से या उसके किसी भाग के लिये कम से कम 1 रुपया फीस प्रभारित की जायेगी :

परन्तु यदि आवेदक प्रतिलिपि के अत्यावश्यक प्रदाय के लिए आवेदन करता है, तो वह न्यूनतम दो रुपये के अधीन रहते हुए, यथा उक्त परिकलित फीस की राशि से दुगुनी राशि, संदत्त करेगा।

(2) अत्यावश्यक आवेदन किये जाने की स्थिति में मांगी गई प्रतिलिपि, आवेदन करने वाले दिन में अगले दिन कार्यालय बन्द होने तक, आवेदक को वितरित करने के लिए तैयार रखी जायेगी।

8. रजिस्ट्रार के पृष्ठों का सत्यापन.—रजिस्ट्रार द्वारा रजिस्ट्रार का प्रत्येक पृष्ठ संख्यांकित और सत्यापित किया जायेगा और वह रजिस्ट्रार के प्रत्येक पृष्ठ पर हस्ताक्षर करेगा।

9. परिषद् की बैठकें.—(1) परिषद्, वर्ष में कम से कम दो बार, ऐसे समय और स्थान पर बैठक करेगी जो परिषद् द्वारा नियत किया जाये। रजिस्ट्रार द्वारा बैठक की सूचना नियत तारीख से 21 दिन पूर्व जारी की जायेगी।

(2) अध्यक्ष द्वारा, उप-नियम (1) में निर्दिष्ट बैठक के अतिरिक्त, परिषद् की आपात बैठक का आयोजन, किसी भी समय सदस्यों की 15 दिन की सूचना देने के पश्चात् किया जा सकेगा।

(3) परिषद् की बैठक के कारोबार के सम्बन्धितार के लिए गणपूर्ति चार सदस्यों से होगी।

(4) परिषद् की प्रत्येक बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष या अध्यक्ष की अनुपस्थिति में उपाध्यक्ष करेगा। दोनों की अनुपस्थिति में उपस्थित सदस्य, अपने में से एक सदस्य को इस प्रयोजन के लिए अध्यक्ष चुनेंगे।

(5) परिषद् की बैठक में सभी प्रश्नों का विनिश्चय बैठक में उपस्थित और मत देने वाले सदस्यों के बहुमत द्वारा किया जायेगा। मतों के बराबर होने की दशा में अध्यक्षता करने वाले सदस्य का द्वितीय मत, उसके सदस्य के रूप में मत के अतिरिक्त निर्णायक मत होगा।

10. सदस्यों की अनुज्ञेय यात्रा और अन्य भत्ते.—(1) सरकारी सदस्यों को, परिषद् या उसकी किसी समिति की बैठक में भाग लेने के लिए यात्रा भत्ता/दैनिक भत्ता उनकी लागू नियमों के उपबन्धों के अनुसार प्रदान किया जायेगा।

(2) परिषद् के गैर सरकारी सदस्यों को, राज्य सरकार के उच्चतम ग्रेड-1 अधिकारियों को अनुज्ञेय यात्रा भत्ते/दैनिक भत्ते अनभत्त होंगे।

11. परिषद् की मोहर.—परिषद् की सामान्य मोहर, रजिस्ट्रार द्वारा अपनी अभिरक्षा में रखी जायेगी और यह मोहर प्रत्येक रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र और इन नियमों के उपबन्धों के अधीन रजिस्ट्रार द्वारा जारी किये जाने वाले किन्हीं अन्य दस्तावेजों पर लगाई जायेगी।

12. अभिलेख आदि की अभिरक्षा.—रजिस्ट्रार, परिषद् से सम्बन्धित या उसमें निहित अन्य सम्पत्ति के सभी अभिलेखों की रक्षा और अभिरक्षा के लिए उत्तरदायी होगा।

13. परिषद् के धन को बैंक में जमा कराना.—परिषद् ऐसे अनुसूचित बैंक में, जैसा कि वह समय-समय पर अवधारित करे, खाते खोलगी और प्राप्त किये गये सभी धन को इस बैंक में जमा करेगी।

14. परिषद् की ओर से धन प्राप्त करना.—परिषद् को देय सभी प्रकार का धन उसकी ओर से रजिस्ट्रार या उसके द्वारा इस निमित्त लिखित रूप से प्राधिकृत किसी अन्य कर्मचारी द्वारा प्राप्त किया जायेगा और नियम 13 के अधीन यथा अवधारित बैंक में जमा किया जायेगा। (रजिस्ट्रार द्वारा, धन प्राप्ति के बदले में, प्ररूप "ड" में रसीद दी जायेगी।

15. परिषद् में लेखों का परिचालन.—बैंक के साथ परिषद् के लेखों का परिचालन रजिस्ट्रार द्वारा किया जायेगा।

16. स्थाई अग्रिम.—रजिस्ट्रार आपातक आसकीय खर्चों के भुगतान के लिए पांच सौ रुपये की राशि स्थायी अग्रिम के रूप में रखेगा।

17. खातों का रख रखाव.—परिषद् की ओर से प्राप्त या खर्च किया गया सभी प्रकार का धन, रजिस्ट्रार के सीधे पर्यवेक्षणाधीन में रखी जाने वाली साधारण रोकड़ बही में, परिषद् के लेखों में प्ररूप "च" में लाया जायेगा और इसमें की गई सभी प्रविष्टियाँ रजिस्ट्रार द्वारा हस्ताक्षरित की जायेगी।

18. लेखों की लेखा परीक्षा.—महालेखाकार, हिमाचल प्रदेश परिषद् के लेखों की वार्षिक लेखा परीक्षा करेगा।

19. लेखाओं का वार्षिक विवरण तैयार किया जाना.—रजिस्ट्रार, प्रत्येक वर्ष के जुलाई में, 31 मार्च, को समाप्त हुए पूर्ववर्ती वित्त वर्ष के आय और व्यय के विवरण को तैयार करवायेगा और उसे परिषद् को समक्ष रखेगा।

20. प्राक्कलन तैयार करना.—(1) रजिस्ट्रार, प्रत्येक वर्ष के अक्तूबर मास में, प्रथम अप्रैल से आरम्भ होने वाले प्रत्येक आगामी वर्ष के लिए परिषद् के आय और व्यय के प्राक्कलन को तैयार करवायेगा और इसे परिषद् को प्रस्तुत करेगा।

(2) प्राक्कलन में, परिषद् के दायित्वों की पूर्ति और अधिनियम के उपबन्धों के प्रभावपूर्ण कार्यान्वयन की व्यवस्था की जायेगी।

(3) परिषद्, उप-नियम (1) के अधीन प्रस्तुत किये गये प्राक्कलन पर विचार करेगी और इसे किसी परिवर्तन सहित या रहित जैसा कि वह उचित समझे मंजूर कर सकेगी।

21. अनुपूरक प्राक्कलन तैयार करना.—परिषद्, उस वर्ष के दौरान जिसके लिये प्राक्कलन मंजूर किया गया है, किसी भी समय रजिस्ट्रार को, अनुपूरक प्राक्कलन तैयार करके प्रस्तुत करने की अपेक्षा कर सकेगी। ऐसे प्रत्येक अनुपूरक प्राक्कलन पर परिषद् उसी रीति से विचार करेगी मानों वह मूल प्राक्कलन हो। कोई भी ऐसा व्यय, जिसका नियम 20 के उप-नियम (3) के अधीन मंजूर किये गये प्राक्कलन या अनुपूरक प्राक्कलन में उपबन्धन हो, उपगत नहीं होगा।

22. बिलों का संदाय.—परिषद् का लेखापाल, राशि के दावे के लिये प्रस्तुत किये गये कर्मचारिवृन्द के सभी बिलों और अन्य वाकवरों को तैयार करेगा और उनका परीक्षण करेगा। इस बात का समाधान होने पर कि दावा सही है बिल—

(क) रजिस्ट्रार द्वारा पास किया जायेगा यदि दावा कर्मचारिवृन्द के वेतन बिल से सम्बन्धित हो या दस हजार रुपये से अनधिक राशि का हो; और

(ख) अन्य मामलों में प्रधान द्वारा पास किया जायेगा।

23. प्रतिदाय.—परिषद् द्वारा फीस के रूप में प्राप्त की गई राशि किन्हीं भी परिस्थितियों में वापिस नहीं की जायेगी। फीस के रूप में या अन्यथा प्राप्त की गई राशि परिषद् के लेखे में जमा रहेगी :

परन्तु रजिस्ट्रीकृत व्यवसायी द्वारा, विहित फीस से अधिक संदत्त की गई कोई राशि परिषद् के अनिश्चित लेखे में जमा की जाएगी और इस राशि का प्रतिदाय किया जा सकेगा यदि दावा तीन वर्ष की अवधि के भीतर किया जाता है और यदि इस राशि का दावा उक्त अवधि के भीतर नहीं किया जा सकता है तो राशि परिषद् के लेखे में जमा की जायेगी।

24. परिषद् की संदेय फीस.—परिषद् को संदत्त की जाने वाली फीस निम्नलिखित रूप से विहित है :—

- | | |
|---|-------|
| (1) नियम 3 (1) के अधीन रजिस्ट्रार में रजिस्ट्रीकरण हेतु | 25.00 |
| (2) नियम 4 के अधीन रजिस्ट्रार में नाम परिवर्तन के लिये | 10.00 |
| (3) नियम 5 के उप-नियम (1) के अधीन तदपश्चात् रजिस्ट्रीकृत प्रत्येक अर्हता या प्राप्ति 15.00 के रजिस्ट्रीकरण के लिये। | |
| (4) नियम 6 के अधीन रजिस्ट्रीकरण के द्विप्रतीक प्रमाण-पत्र के लिये | 10.00 |
| (5) अप्रैल के प्रथम दिन से पूर्व प्रत्येक 5 वर्ष के लिये नियम 3 (5) के अधीन रजिस्ट्रीकरण के नवीकरण के लिये। | 15.00 |
| (6) रजिस्ट्रीकरण के प्रत्यावर्तन के लिये | 25.00 |
| (7) अन्य राज्य परिषदों से हिमाचल प्रदेश राज्य पशु चिकित्सा परिषद् को रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र के अन्तरण के लिये। | 15.00 |

आदेश द्वारा,
हस्ताक्षरित/-
सचिव।

पञ्चिभिः

पञ्च-क

[विभाग 3 (1) केन्द्र]

भारतीय पशु चिकित्सा परिषद् अधिनियम, 1984 के अधीन रजिस्ट्रीकरण हेतु आमिषन

सेवा में,

रजिस्ट्रार,

हिमाचल प्रदेश राज्य पशु चिकित्सा परिषद्,

शिमला-171003 ।

तारीख

शिमला-171003.

विषय.—भारतीय पशु चिकित्सा परिषद् अधिनियम, 1984 के अधीन पशु चिकित्सा व्यवसायी को रूप में रजिस्ट्रीकरण हेतु आवेदन ।

महोदय,

मैं आपसे अनुरोध करता हूँ कि भारतीय पशु चिकित्सा परिषद् अधिनियम, 1984 के अधीन, हिमाचल प्रदेश राज्य पशु चिकित्सा परिषद् द्वारा रखे गये पशु चिकित्सा व्यवसायी को रजिस्ट्रार में पशु चिकित्सा व्यवसायी के रूप में मेरा नाम रजिस्ट्री करा किया जाये और हिमाचल प्रदेश में व्यवसाय करने को निर्गम रजिस्ट्रीकरण का आवश्यक प्रमाण-पत्र जारी किया जाये। मेरे मामले में सम्बन्धित आवश्यक विवरण निम्नलिखित रूप में दिया गया है :—

पूरा नाम	पिता का नाम	राष्ट्रीयता	जन्म की तारीख	जन्म स्थान
1	2	3	4	5

वर्तमान पता	अर्हताये	महाविद्यालय/विश्वविद्यालय	अर्जित वर्ष
6	7	8	9

- (क) तारीख को रजिस्ट्रार में त्रिविष्टि या प्रमाण-पत्र जारी करने हेतु फीस प्राप्त की।
 (ख) शासकीय रसीद नं० तारीख
 (ग) रोकड़ वही पृष्ठ संख्या

(रोकड़िया के हस्ताक्षर)।

(लेखापाल के हस्ताक्षर)।

रजिस्ट्रार के आदेश

रजिस्ट्रीकरण सं०

रजिस्ट्रार प्रमाण-पत्र तारीख को द्वारा जारी किया गया।

प्ररूप-ख

[नियम 3 (4) देखिए]

रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र

हिमाचल प्रदेश राज्य पशु चिकित्सा परिषद्

पंजीकृत संख्या

दिनांक

प्रमाणित किया जाता है कि डा० सुपुत्र/सुपुत्री श्री निवासी तहसील जिला हिमाचल प्रदेश, को तारीख को शिमला में, भारतीय पशु-चिकित्सा परिषद् अधिनियम, 1984 (1984 का 52) के अधीन पशु चिकित्सा व्यवसायी विधिवत पंजीकृत किया जाता है। इन्हें उपरोक्त अधिनियम के अन्तर्गत प्रदत्त विशेष अधिकार प्राप्त होंगे।

रजिस्ट्रार,

(मोहर)

हिमाचल प्रदेश राज्य पशु चिकित्सा परिषद्।

पता

.

रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र का एतद्द्वारा मास दिन तक नवीकरण किया जाता है।

रजिस्ट्रार,

(मोहर)

हिमाचल प्रदेश राज्य पशु चिकित्सा परिषद्

सहत्वपूर्ण सूचना :

- (1) यह प्रमाण-पत्र धारक को केवल हिमाचल प्रदेश राज्य में व्यवसाय करने का अधिकार प्रदान करता है।
- (2) यह प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाने की तारीख से पांच वर्ष की अवधि तक केवल रजिस्ट्रीकरण माध्य के रूप में रहेगा। यह प्रमाण-पत्र प्रथम अप्रैल, से पूर्व 15/- रुपये (पन्द्रह रुपये केवल) के संदाय पर नवीकरणीय है।
- (3) प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत व्यवसायी को, अपने पत्र में किसी परिवर्तन की शीघ्र सूचना रजिस्ट्रार को देने के लिये सावधानी रखनी चाहिए और रजिस्ट्रार द्वारा उससे सम्बन्धित सभी प्रकार की पूछताछ का उत्तर देना चाहिए ताकि उसका सही पता रजिस्टर में सम्यक् रूप से अन्तः स्थापित किया जा सके अन्यथा भारतीय पशु चिकित्सा परिषद् अधिनियम, 1984 की धारा 49 के अधीन व्यवसायी का नाम रजिस्टर से हटाया जा सकेगा।

प्रारूप-ग

[निधम 5 (1) देखिये]

अतिरिक्त अर्हताओं के रजिस्ट्रीकरण हेतु आवेदन

सेवा में,

रजिस्ट्रार,
हिमाचल प्रदेश राज्य पशु-चिकित्सा परिषद्
शिमला-171005.
तारीख

महोदय,

मैं को अतिरिक्त अर्हता के रजिस्ट्रीकरण हेतु, जो मैंने से में प्राप्त की है, आवेदन करता हूँ। राजपत्रित अधिकारी से सम्यक् रूप से अनुप्रमाणित स्नातकोत्तर डिप्लोमा या अर्हताओं का प्रमाण-पत्र संलग्न है। मैं पहले ही भारतीय पशु चिकित्सा परिषद् अधिनियम, 1984 के अधीन रजिस्ट्रीकृत हूँ और मेरा रजिस्ट्रीकरण का विवरण निम्नलिखित है:—

1. नाम
2. पिता का नाम
3. रजिस्ट्रीकरण संख्या

मैंने 25/- रुपये की विहीत फीस भारतीय पोस्टल ऑर्डर सं० की (डाकघर)/नगद शासकीय रसीद सं० तारीख द्वारा प्रेषित कर दी है।

तारीख
अनुलग्नकों की सं०

भवदीय,
(रजिस्ट्रीकृत व्यवसायी के हस्ताक्षर)

*जो लागू न हो, काट दें।

प्ररूप-घ

[नियम 5 (2) देखिए]

अतिरिक्त अर्हताओं का रजिस्ट्रीकरण

नीचे दिए गये अतिरिक्त डिप्लोमा/प्रमाण-पत्र/उपाधि हिमाचल प्रदेश राज्य पशु चिकित्सा परिषद् के रजिस्ट्रार में डा0 के नाम, रजिस्ट्रीकरण सं0 के सामने अन्तः स्थापित कर दिये गये हैं।

रजिस्ट्रार में पहले से दर्ज किये गये डिप्लोमा/डिप्लोमा/
प्रमाण-पत्र

रजिस्ट्रार में बाद में दर्ज किये गये डिप्लोमा या
प्रमाण-पत्र

1

2

1.

1.

2.

2.

3.

3.

(मोहर)

रजिस्ट्रार ।

तारीख

प्ररूप-ङ

(नियम 14 देखिए)

बही सं0

बही सं0

क्रम सं0

क्रम सं0

रजिस्ट्रार कार्यालय,

रजिस्ट्रार कार्यालय,

हिमाचल प्रदेश राज्य पशु चिकित्सा परिषद्, शिमला-5

हिमाचल प्रदेश राज्य पशु-चिकित्सा परिषद्, शिमला-5

तारीख

तारीख

श्री/श्रीमती से

श्री/श्रीमती से

रुपये प्राप्त किए।

रुपये प्राप्त किए।

रजिस्ट्रार ।

रजिस्ट्रार ।

प्रमाण

(नियम, 17 देखिए)

हिमाचल प्रदेश राज्य पशु-चिकित्सा परिषद्, शिमला

साधारण रोकड़ वही

आय

मास	तारीख	वर्गीकृत संक्षेप (सार) की पन्ना संख्या	लेखे का विभागीय मुख्य/ लघु और विस्तृत शीर्ष और उप-शीर्ष	रसीदों का विवरण और जिन व्यक्तियों में प्राप्त हुई उनके नाम
1	2	3	4	5

बक रसीद की संख्या और तारीख	राशि	दैनिक जोड़	बैंक को प्रेषित बैंक रसीद सं 0 और तारीख	राशि
6	7	8	9	10

व्यय

मास	तारीख	वर्गीकृत संक्षेप (सार) की पन्ना संख्या	खाते का विभागीय मुख्य/ लघु और विस्तृत शीर्ष और उप-शीर्ष	पाने वाले का नाम और प्रभार का विवरण
1	2	3	4	5

वाकचर सं 0	बैंक की संख्या और तारीख	राशि	दैनिक जोड़
6	7	8	9

ANIMAL HUSBANDRY DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-171002, the 16th June, 1992

No. AHV-B (15)-20/76.—In exercise of the powers conferred by section 65 of the Indian Veterinary Council Act, 1984 (Act No. 52 of 1984) the Governor, Himachal Pradesh is pleased to make the following rules, namely:—

1 *Short title.*—These rules may be called the Himachal Pradesh State Veterinary Council (General) Rules, 1992.

2 *Definitions.*—(1) In these rules, unless there is anything repugnant in the context:—

- (a) "Act" means the Indian Veterinary Council Act, 1984 (Act No. 52 of 1984) ;
- (b) "Appendix" means an Appendix appended to these rules ;
- (c) "Committee" means a committee appointed by the Council ;
- (d) "Council" means the Himachal Pradesh State Veterinary Council, established under section 32 of the Act ;
- (e) "Form" means a Form appended to these rules ;
- (f) "Member" means a member of the Council ;
- (g) "President" means the President of the Council ;
- (h) "Register" means the State Veterinary register prepared and maintained under section 44 of the Act ;
- (i) "Registrar" means the Registrar of the Council to be appointed by the Council, from time to time, or any other officer under section 42 of the Act ;
- (j) "section" means a section of the Act ;
- (k) "State Government" means the Government of Himachal ; and
- (l) "Vice President" means the Vice President of the Council.

(2) The terms and expressions used in these rules but not defined shall have the meaning respectively assigned to them in the Act.

3 *Registration of Practitioner.*—(1) Every person who possesses a recognised Veterinary Qualifications as required under the Act shall have his name entered in the register by making an application to the Registrar in Form "A". Every such application shall be accompanied by the fee prescribed under rule 24.

(2) The Registrar, may after examining the application, require the applicant to furnish such other information or documents as he may deem necessary to establish the claim of the applicant.

(3) If the Registrar, on receipt of the application, under sub-rule (1) or on receipt of further information or documents under sub-rule (2) from the applicant and after making such further inquiry, as he may deem proper, is satisfied that the applicant is entitled to have his name entered in the register, he shall enter his name in the register and if he is not so satisfied, he shall reject the application.

(4) The person whose name has been entered in the register, under sub-section (3) of section 44 shall be issued a certificate in form "B" by the Registrar on payment of prescribed fee under rule 24 and the person whose application is rejected shall be informed of the decision within fifteen days of the date on which the order is passed on the application.

(5) Every registered practitioner registered under section 44 of the Act shall renew his registration after every five years, by making an application to the Registrar accompanied by the fee prescribed in rule 24. The Registrar shall endorse the renewal on the original certificate.

4. *Change of name to be intimated to the Registrar.*—If a registered practitioner changes his name, he shall immediately inform the Registrar about the same and satisfy the Registrar that he has already notified the fact of the change of name in a leading newspaper having wide circulation in the area in which he carries on his practice. The Registrar, shall on being so satisfied and on receipt of a fee prescribed in rule 24 enter the changed name in the register accordingly. Necessary change in the registration certificate will also be made by the Registrar.

5. *Entries in the Register regarding further qualifications.*—(1) A registered practitioner who obtains any post-graduate degree or diploma in Veterinary Science in addition to his recognised Veterinary Qualification and wish to get the same entered in the register, shall make an application in Form "C" accompanied by the fee prescribed in rule 24. He shall also furnish alongwith his application, the relevant degree, diploma, duly attested by a Gazetted Officer, as the case may be, on the basis of which the entry in the register is sought. The Registrar may require the registered practitioner to produce the original degree or diploma, as the case may be to satisfy his claim.

(2) If the Registrar on receipt of the application under sub-rule (1) and after making such further enquiry as he may deem fit, is satisfied that the registered practitioner is entitled to have the degree or diploma, as the case may be, entered in the register, he shall do so and grant such practitioner a certificate in Form "D". If he is not so satisfied, he will reject the application :

Provided that no order rejecting any application shall be passed without giving the applicant an opportunity of being heard.

6. *Issue of duplicate Registration Certificate.*—If a registration certificate is lost, destroyed or mutilated, the registered practitioner may at any time during which the certificate is in force, apply to the Registrar for a duplicate certificate and the Registrar shall on being satisfied issue, on receipt of fee prescribed in rule 24, a duplicate certificate. The duplicate certificate shall be inscribed on the top of the certificate.

7. *Fee for supply of certified copy.*—(1) The fee for the supply of copy of any order passed by the Council or the Registrar or of any entry in the register shall be charged at the rate of 75 paise per 100 words or fraction thereof subject to a minimum of one rupee :

Provided that if the applicant applies for a copy urgently, he shall have to pay double the amount of fees calculated as above subject to a minimum of two rupees.

(2) In case of urgent application, the copy sought for shall be ready for delivery to the applicant by the close of Office hours of the day following that on which the application is made.

8. *Verification of pages of register.*—Each page of the register shall be numbered and verified by the Registrar and he shall sign each of the pages of the register.

9. *Meetings of Council.*—(1) The Council shall meet at least twice in a year at such time and place as may be appointed by the Council. The notice of meeting shall be issued by the Registrar 21 days in advance.

(2) An emergency meeting of the Council can be convened by the President at any time after giving 15 days notice to the members, in addition to the meeting referred to in sub-rule (1).

(3) The quorum for the transaction of business of a meeting of the Council, shall be four.

(4) The President or in his absence the Vice President shall preside over every meeting of the Council. In the absence of both, the members present shall elect one from amongst themselves a president for this purpose.

(5) All questions at a meeting of the Council shall be decided by the votes of the majority of the members present and voting at the meeting. In case of equality of votes the members presiding shall have in addition to his vote as a member of the Council, a second or casting vote.

10. Travelling and other allowances admissible to members.—(1) For attending meetings of the Council or any Committee thereof the Official members shall be paid travelling allowance/daily allowance in accordance with the provisions of the rules applicable to them.

(2) Non-official members of the Council shall be allowed travelling allowance/daily allowance as admissible to the highest grade-I Officers of the State Government.

11. Seal of the Council.—The common seal of the Council shall be kept by the Registrar in his custody. It shall be affixed on each registration certificate and any other documents issued by the Registrar under the provisions of these rules.

12. Custody of records etc.—The Registrar shall be responsible for the custody and maintenance of all records of the Council and other property belonging to or vested in the Council.

13. Deposit of Council's money in Bank.—The Council shall open an account in such Scheduled Bank, as it may from time to time determine and all moneys received by it shall be deposited in such bank.

14. Receipt of money on behalf of the Council.—All money payable to Council shall be received on behalf of the Council by the Registrar or any other employees of the Council authorised by him in this behalf in writing and shall be deposited in the Bank as determined under rule 13. A receipt in the form 'E' shall be granted by the Registrar in lieu of having received the money.

15. Operation of Council accounts.—The accounts of the Council with a bank shall be operated upon by the Registrar.

16. Permanent advance.—The Registrar shall have a permanent advance of five hundred rupees for meeting emergent official expenses.

17. Maintenance of accounts.—All money received or spent on behalf of the Council shall be brought to the accounts of the Council in the general cash book to be maintained in the form 'F' under the direct supervision of the Registrar and all the entries made therein shall be signed by him.

18. Audit of accounts.—The accounts of the Council shall be audited annually by the Accountant General, Himachal Pradesh, Shimla.

19. Preparation of annual statement of accounts.—The Registrar shall in the month of July each year get prepared a statement of income and expenditure of the preceding financial year ending 31st March, and place the same before the Council.

20. Preparation of estimates.—(1) The Registrar shall in the month of October each year get prepared an estimate of income and expenditure of the Council for each year commencing on the 1st of April of the ensuing year and shall submit the same to the Council.

(2) The estimate shall make provision for the fulfilment of liabilities of the Council and for effectively carrying out the provisions of the Act.

(3) The Council shall consider the estimate submitted to it under sub-rule (1) and may sanction the same with or without any alterations as it may deem fit.

21. Preparation of supplementary estimates.—(1) The Council may, require the Registrar at any time, during the year for which any estimates have been sanctioned cause a supplementary estimate to be prepared and submitted to it. Every such supplementary estimate shall be considered by the Council in the same manner as if it were an original estimate. No expenditure shall be incurred which is not duly provided in the estimates sanctioned under sub-rule (3) of rule 20 in a supplementary estimate.

22. Payment of Bills.—All the salary bills of the staff and other vouchers presented as a claim for money shall be prepared and examined by the Accountant of the Council. On being satisfied that the claim is in order, the bill shall be passed.

(a) by the Registrar, if the claim relates to a salary bill of the staff or is for an amount not exceeding ten thousand rupees ; and

(b) by the President, in other cases.

23. Refund.—Amounts received by the Council towards fees shall not be refunded under any circumstances. The amount received as fees or otherwise shall remain credited to the account of the Council :

Provided that any amount paid by registered practitioner in excess of prescribed fees shall be credited to the suspense account of the Council and may be refunded, if claimed within a period of three years and if no claim for refund is made within the aforesaid period the amount shall be credited to the account of the Council.

24. Fees payable to the Council.—The following fees are prescribed be paid to the Council :—

	Rs.
(1) for registration in the register under rule 3 (1)	.. 25.00
(2) For change of name in the register under rule 4	.. 10.00
(3) for registration of every further qualification or status subsequently registered under sub-rule (1) of rule 5	.. 15.00
(4) for a duplicate certificate of registration under rule 6	.. 10.00
(5) for renewal of registration under rule 3 (5) after every five years before 1st day of April	— 15.00
(6) for restoration of registration	25.00
(7) for transfer of registration certificate from other State Councils to the Himachal Pradesh State Veterinary Council	... 15.00

By order,

Sd/-
Secretary.

APPENDIX

FORM-A

[See rule 3 (1)]

APPLICATION FOR REGISTRATION UNDER THE INDIAN VETERINARY COUNCIL ACT, 1984

To

The Registrar,
H.P. State Veterinary Council,
Shimla-171005.

Dated the,

Subject.—Application for registration as Veterinary Practitioner in Himachal Pradesh under Indian Veterinary Council Act, 1984

Dear Sir,

I am to request you to please register my name as a Veterinary Practitioner in the register of Veterinary Practitioners maintained by the Himachal Pradesh State Veterinary Council under Indian Veterinary Council Act, 1984 and to issue me necessary certificate of registration to practise in Himachal Pradesh. Necessary particulars concerning my case are given as under :—

Full Name	Father's name	Nationality	Date of birth	place of birth	Present address
1	2	3	4	5	6
Qualifications	College/University			Year when qualified	
7	8			9	

I enclose herewith for your information and record, Photostat/duly attested copies of my degrees/diplomas.

I hereby declare that I have carefully read and understood the different provisions of the Indian Veterinary Council Act, 1984 and rules made thereunder for the Himachal Pradesh State Veterinary Council, Shimla.

I am also sending herewith prescribed fee of Rs. 25/- (Twenty five only), vide postal orders (details given below) :—

Number	Post Office	Issuing Postal Order	Value
1.			
2.			
3.			

Yours faithfully,

(Signature of the applicant with address).

DECLARATION

Certified that the above particulars are true to the best of my knowledge and belief and nothing has been concealed therefrom.

Signature.

Notes :

1. All particulars should be indicated in Block letters.
2. All cuttings in the application form must be signed by the applicant.
3. Registration fee be sent by Postal Orders to the Registrar, Himachal Pradesh Veterinary Council, Shimla-171005.
4. The Diplomas/Degree of the recognised institutions may be sent alongwith this application.
5. Strike out the items/words which are not applicable.

To be filled in by the Office

Registration application received on Diary No

(a) Fee for making entry in the Register/or issuing certificate received on

(b) Official receipt No. dated

(c) Cash Book Page No.

(Signature of the Accountant)

Signature of the Cashier.

Order of the Registrar

Registration No.

Registration certificate issued on vide

FORM B

[See Rule 3 (4)]

HIMACHAL PRADESH STATE VETERINARY COUNCIL

REGISTRATION CERTIFICATE.

Registration No.....

Dated Shimla, the.....

This is to certify that Dr.....s/o Shri.....
.....resident of.....Tehsil
.....District.....Himachal Pradesh, has
been duly registered as a Registered Veterinary Practitioner under the Indian Veterinary Council
Act, 1984 (Act No. 52 of 1984).....as on
.....at Shimla, Himachal Pradesh. He is entitled to all the privileges granted to
Veterinary Practitioner under the Act.

(Seal)

*Registrar,
Himachal Pradesh Veterinary Council, Shimla.*

Address :

.....

.....

.....

The Registration is renewed upto the.....day of
..... 199 .

Registrar,
H.P. State Veterinary Council,
Shimla.

IMPORTANT NOTICE :

1. This certificate entitles the holder to practise within the State of Himachal Pradesh only.
2. This certificate shall remain evidence of registration only for a period of five years from the date of grant of Certificate. This certificate is renewable on payment of Rs. 15/- (Rupees fifteen only) before 1st of April.....
3. Every registered practitioner should be careful to send to the Registrar immediate notice of any change in his address, and also to answer all inquiries that be sent to him by the Registrar in regard thereto, in order that his correct address may be duly inserted in the register otherwise under section 49 of the Indian Veterinary Council Act, 1984 the name of the practitioner is liable to be removed from the register.

FORM C

[See Rule 5(1)]

APPLICATION FOR REGISTRATION OF ADDITIONAL QUALIFICATIONS

To

The Registrar,
H.P. State Veterinary Council,
Shimla-171005.

Sir,

I beg to apply for the registration of additional qualification of.....which I have obtained from.....in..... The post-graduate diploma or certificate of qualifications duly attested by a Gazetted Officer is enclosed. I am already registered under the Indian Veterinary Council Act, 1984 and particulars of my registration are given below :—

1. Name
2. Father's name
3. Registration No

The prescribed fee of Rs. 25/- has been remitted by me *vide* Indian Postal Orders No.....
dated.....value of.....
(post office) paid in cash *vide* Official Receipt No.....
 dated.....

Yours faithfully,

Dated :

No. of Encls :

(Signature of the Registered Practitioner).

Strike out which is not applicable.

FORM D

[(See rule 5 (2))]

REGISTRATION OF ADDITIONAL QUALIFICATIONS

The additional Degree/Diploma/Certificate appearing below have been inserted in the register of H.P. State Veterinary Council Register, against the name of Dr.....
 Registration No.....

Degree/Diploma/Certificate already entered in the register

Diplomas or certificates subsequently entered in the register

1.

.....

2.

.....

3.

.....

(Seal)

Register.

Dated the.....

FORM E

(See Rule 14)

Book No.

Book No.

Serial No.....

Serial No.....

OFFICE OF THE REGISTRAR, H.P.
 STATE VETERINARY, COUNCIL,
 SHIMLA-171005.

OFFICE OF THE REGISTRAR, H.P.
 STATE VETERINARY COUNCIL,
 SHIMLA-171005

Dated the

Dated the

Received from Shri/Smt.

Received from Shri/Smt.

the sum of Rs.....

the sum of Rs.....

Register.

Register.

FORM-F

(See rule 17)

H.P. STATE VETERINARY COUNCIL, SHIMLA-171005.

GENERAL CASH BOOK

INCOME

Month	Date	Folio number of classified abstract	Departmental major/ minor and detailed head and sub head of account	Particulars of receipt and name of the persons from whom received
1	2	3	4	5

Number of Bank receipt & date	Amount	Daily total	Remittance to Bank, No. date of Bank receipt	Amount
6	7	8	9	10

EXPENDITURE

Month	Date	Folio number of classified abstract	Departmental major/ minor and detailed head and sub-head of account	Particulars charge and name of payee	Voucher No.
1	2	3	4	5	6

Number & date of cheque 7	Amount 8	Daily total 9
------------------------------	-------------	------------------